

Seat No.

HD-1601100302040201

M. A. (Sem. IV) (CBCS) (W.E.F.-2016) Examination

April - 2023

Sanskrit

(Puransastra : Visnupurana) (Common Paper for 2015 & 2016) (Old Course)

Time: $2\frac{1}{2}$ Hours / Total Marks: 70

- **૧** નીચેનામાંથી કોઈપણ **બે** શ્લોકનો અનુવાદ કરીને સમજાવો : **૧૪**
- 1 Explain any two verses with translation of the following: 14
 - (9) जरायुजाण्डजादीनां वाङ्मन कायकर्मभिः । युकतः कुर्वीत न द्रोहं सर्व सङ्गांच्च वर्जयेत् ॥ ३–९–२७
 - (२) सूर्यस्य पत्नी संज्ञाभूत्तनया विश्वकर्मणः । मनुर्यमो यमी चैव तदपत्यानि वै मुने ॥ ३–२–२
 - (३) आख्यानैश्चाप्युपाख्यानैर्गाथाभिः कल्पशुद्धिभिः । पुराणसंहिता चक्रे पुराणार्थविशारदः ॥ ३–६–१५
 - (४) त्रयी समस्तवर्णानां द्विज संवरणं यतः । नग्नो भवत्युञ्झितायामतस्तस्यां न संशयः ॥ ३–१७–६
- **૨** નીચેનામાંથી કોઈપણ **બે** શ્લોકનો અનુવાદ કરીને સમજાવો : **૧૪**
- 2 Explain any two verses with translation of the following: 14
 - (१) तृणबिन्दोः प्रसादेन सर्वे वैशालिका नृपाः । दीर्धायुषो महात्मानो वीर्यवन्तोऽतिधार्मिकाः ॥ ४–१–६१
 - (२) यदा न कुरुते भावं सर्वभूतेषु पापकम् । समदृष्टेस्तदा पुंसः सर्वास्सुखमया दिशः ॥ ४-१०-२५
 - (३) यदोर्वंशं नरः श्रुत्वा सर्वपापैः प्रमुच्यते । यत्रावतीर्णं कृष्णाख्यं परं ब्रह्म निराकृति ॥ ४–११–४
 - (४) यदा चन्द्रश्च सूर्यश्च तथा तिष्यो बृहस्पतिः । एकराशौ समेष्यन्ति तदा भवति वै कृतम् ॥ ४–२४–१०२

| 3 | स्यमन्तकमणिनी કથામાં પ્રગટ થતા શ્રીકૃષ્ણના વ્યક્તિત્વની ચર્ચા કરો. | ૧૪ |
|---|--|----|
| 3 | Discuss the personality of Lord श्रीकृष्ण as reflected in the | 14 |
| | episode of 'स्यमन्तकमणि'. | |
| | અથવા/OR | |
| 3 | વિષ્ણુપુરાણમાં આલેખાયેલ માયામોહચરિત પર વિસ્તૃત નોંધ લખો. | ૧૪ |
| 3 | Write a detailed note on मायामोहचरितम् as depicted | 14 |
| | in विष्णुपुराण. | |
| | | |
| ४ | વિષ્ણુપુરાણના આધારે श्राद्धविधि પર સવિસ્તર નોંધ લખો. | ૧૪ |
| 4 | Write a detailed note on श्राद्धविधि according to विष्णुपुराण. | 14 |
| | અથવા/OR | |
| ४ | યયાતિચરિતનું રસદર્શન કરો. | ૧૪ |
| 4 | Appreciate critically the ययातिचरित. | 14 |
| | | |
| પ | નીચેનામાંથી કોઈપણ બે વિશે ટૂંકનોંધ લખો : | ૧૪ |
| 5 | Write short note on any two of the following: | 14 |
| | (१) सौभरिचरितम् | |
| | (२) श्राद्धकर्माणि पात्रापात्रविचार । | |
| | (३) पुरुरवाउपाख्यानम् । | |
| | (४) विवाहसंस्कार । | |
| | | |